CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

▫ वर्ष- 28 ▫ अंक- 227 ▫ रायपुर, बुधवार 10 सितम्बर 2025 ▫ पृष्ठ-8 ▫ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

घायलों की मदद के लिए आगे आए बीएसएफ जवान, सड़क में तड़प रहे थे 3 ग्रामीण

कांकेर, 10 सितंबर (हाईवे चैनल)। पंखाजूर क्षेत्र के अति संवेदनशील इलाके ग्राम कटगांव और कटगांव पुल के बीच मंगलवार की शाम दो मोटरसाइकिलों की टक्कर हो गई. इस हादसे में तीन ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए. घायल सूरज लाल, महेश कुमार और पवन कुलदीप सड़क पर तड़पते हुए मदद की आस में थे. इस दौरान सूचना पर 47वीं बटालियन बीएसएफ कटगांव कैंप के जवान तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया. जानकारी के मुताबिक, ग्राम कटगांव और कटगांव पुल के बीच करीब सवा 7 बजे दो मोटरसाइकिल आपस में भीड़ गई. दुर्घटना की जानकारी मिलते ही कमांडेंट विजेंद्र नाथ गंगोली के दिशा-निर्देश पर जवान मौके पर पहुंचे. जवानों ने मानवता का परिचय देते हुए घायलों को प्राथमिक उपचार दिया. इसके बाद बीएसएफ की एम्बुलेंस से सभी को सिविल अस्पताल पंखाजूर पहुंचाया गया. गौरतलब है कि नक्सल प्रभावित कोयलीबेड़ाङ्कपरतापुर मार्ग पर तैनात 47वीं बटालियन के जवान लगातार ड्यूटी के साथ-साथ

राहगीरों और ग्रामीणों की मदद करते रहते हैं। इससे आम जनता का भरोसा बीएसएफ पर लगातार मजबूत होता जा रहा है।

जेन-जेड प्रोटेस्ट का असर : प्रदर्शनों के बीच नक्खू व नवलपरासी जेल से 2000 कैदी फरार!

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (न्यूज चैनल)। बीते 2 दिनों से जारी हिंसक प्रदर्शनों के बीच भारत में नेपाल दूतावास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली में नेपाल का दूतावास बाराखंभा रोड पर स्थित है नेपाल में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे त्नद्गठ्ठ- युवाओं ने एक लेटर जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा कि सरकार को घुटनों पर ला दिया गया है। हम अब प्रदर्शनकारियों से शांत रहने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचाने की अपील करते हैं। इस बीच प्रदर्शनकारियों ने नेपाली समाचार पत्र कांतिपुर के ऑफिस में आग लगा दी।

नेपाल दूतावास की सुरक्षा बढ़ाई

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के चेयरमैन रबि लामिछाने की रिहाई के बाद ललितपुर के नक्खू जेल से सभी कैदी बाहर निकल गए। इस जेल में लगभग 1500 कैदी बंद थे।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लामिछाने की रिहाई के बाद पुलिस ने यहां से अपनी सुरक्षा चौकियों से हटने का फैसला किया, जिससे कैदियों को निकलने का मौका मिला गया। इसके अलावा नेपाल के नवलपरासी पश्चिम जिला जेल से भी 500 से ज्यादा कैदी फरार हो गए। जेल के अंदर उन्होंने आगजनी की और रिहाई की मांग करते हुए नारे लगाए। उन्हें नियंत्रित करने के प्रयासों के बावजूद, ज्यादातर कैदी भागने में कामयाब रहे। इससे इलाके में सुरक्षा खतरे की चिंता बढ़ गई है। अधिकारी हालात पर नजर रख रहे हैं। इतने सारे कैदियों के बाहर आने से जनता की सुरक्षा को बड़ा खतरा हो सकता है। नेपाल के कई हिस्सों में मंगलवार को छात्रों के नेतृत्व में नए सिरे से सरकार विरोधी प्रदर्शन हुए। आज प्रदर्शनकारी संसद भवन में घुस गए और आगजनी की। प्रदर्शनकारियों ने कल गृहमंत्री के पद से इस्तीफा देने वाले रमेश लेखक और संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग व पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड, शेर बहादुर देउबा, के घर आगजनी भी की थी। हिंसक प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री ओली ने इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। प्रदर्शनकारियों ने नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय और अटॉर्नी जनरल के ऑफिस के अलावा राष्ट्रपति के घर में तोड़फोड़ की।

ब्रेकिंग न्यूज

50 दिनों बाद पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (न्यूज चैनल)। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे के बाद से पूर्व उपराष्टपति जगदीप धनखड़ ने चुप्पी साधी हुई थी। हाल ही में उन्होंने इसे लेकर बयान दिया है और नए चुने गए उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन को बधाई दी है। धनखड़ ने कहा कि उपराष्ट्रपति का पद उनके विशाल अनुभव के कारण और भी अधिक गौरव प्राप्त करेगा। यह बयान 21 जुलाई को संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन पद छोड़ने के बाद उनका पहला सार्वजनिक बयान है। राधाकृष्णन को लिखे पत्र में धनखड़ ने कहा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और मानवता के छठे हिस्से का घर माने जाने वाले भारत के उपराष्टपति के तौर पर आपके चुने जाने पर हार्दिक बधाई। राधाकृष्णन को लिखे अपने पत्र में धनखड़ ने आगे कहा,इस प्रतिष्ठित पद पर आपकी पदोन्नति हमारे राष्ट्र के प्रतिनिधियों के विश्वास और भरोसे को दर्शाती है। उन्होंने यह भी कहा कि सार्वजनिक जीवन में राधाकृष्णन के विशाल अनुभव को देखते हुए उनके नेतृत्व में यह पद निश्चित रूप से और भी अधिक सम्मान और गौरव प्राप्त करेगा। जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को अचानक स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्टपति पद से इस्तीफा दे दिया था।

दिल्ली और झारखंड से 8 संदिग्ध गिरफ्तार, बड़े हमलों की थी साजिश

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (न्यूज चैनल)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और झारखंड एटीएस ने एक संयुक्त अभियान में आईएसआईएस से जुड़े एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई के तहत दिल्ली और झारखंड समेत देश के अलग-अलग हिस्सों से अब तक 8 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि यह आतंकी मॉड्यूल पूरे देश में बड़े हमलों की साजिश रच रहा था। दिल्ली पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली थी जिसके आधार पर उन्होंने मुंबई के रहने वाले आफताब नाम के एक संदिग्ध आतंकी को दिल्ली से गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक आफताब इस आतंकी मॉड्यूल का एक महत्वपूर्ण सदस्य है और वह दिल्ली में किसी बड़े हमले की योजना बना रहा था। उसके पास से कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण भी बरामद हुए हैं।

बिरादरी की बातें

चूहा- सुनती हो, उपराष्ट्रपति चुनाव में 15 वोट अवैध पाए गए।

चुहिया- हां जी, हमारे सांसद जब वोट भी सही नहीं डाल सकते वो देश कैसे चलाएंगे?

राष्ट्रवादी विचारधारा की ऐतिहासिक जीत हुई : सी.पी. राधाकृष्णन

उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद पहला बयान

नई दिल्ली, 10 सितम्बर (न्यूज चैनल)। नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अपनी जीत को राष्ट्रवादी विचारधारा की निर्णायक विजय बताया, जिसे 452 वोटों के भारी अंतर से मिली सफलता ने पुष्ट किया है। यह परिणाम भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए की मज़बूत संसदीय स्थिति को दर्शाता है और राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार विपक्ष की वैचारिक चुनौती को कमज़ोर करता है।

मंगलवार को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद, सीपी राधाकृष्णन ने अपनी जीत को एक सशक्त वैचारिक बयान के रूप में प्रस्तुत करने में ज़रा भी देर नहीं लगाई। मीडिया को दिए अपने पहले संबोधन में, नवनिर्वाचित उपराष्टपति ने ज़ोर देकर कहा कि यह चुनाव विचारधाराओं की लड़ाई थी और मतदान के रुझान से पता चलता है कि राष्ट्रवादी विचारधारा कुल मिलाकर विजयी हुई है। राधाकृष्णन की निर्णायक जीत, जिसमें उन्हें विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के 300 के मुकाबले 452 वोट मिले, उनके जनादेश के दावे को स्पष्ट संख्यात्मक समर्थन प्रदान करती है। 767 सांसदों के निर्वाचक मंडल में 152 वोटों का अंतर भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की मज़बूत संसदीय स्थिति को रेखांकित करता है। यह विपक्ष के भारत ब्लॉक के विपरीत था, जिसने इस मुकाबले को वैचारिक लड़ाई के रूप में प्रस्तुत करने के बावजूद, अपेक्षित मतों की संख्या से कम रहा।

छत्तीसगढ़ के दौरे पर आएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रजत जयंती स्थापना दिवस समारोह में होंगे शामिल

सीएम साय ने दी जानकारी

रायपुर, 10 सितम्बर (हाईवे चैनल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अक्टूबर को दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ आएंगे। इस बारे में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ इस समय अपने रजत जयंती वर्ष में है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने ही छत्तीसगढ़ राज्य का गठन किया था, इसलिए इस वर्ष को सरकार ने अटल निर्माण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

बता दें कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज मध्यक्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में हिस्सा लेने के लिए कोरबा रवाना हुए है। इस दौरान स्टेट हैंगर में उन्होंने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि इस साल छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 25 साल पूरे करने जा रहा है। 1 नवंबर को होने वाला राज्योत्सव इस बार रजत जयंती के रूप में मनाया जाएगा और इसे यादगार बनाने के लिए सरकार ने विशेष तैयारियां की हैं। सीएम साय ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अक्टूबर को दो दिन के दौरे पर छत्तीसगढ़ आएंगे।

उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ का गठन पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था, इसलिए इस साल को अटल निर्माण वर्ष घोषित किया गया है। यह उत्सव अगले 25 हफ्तों तक अलग-अलग कार्यक्रमों के जरिए मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री को इसमें शामिल होने का निमंत्रण दिया गया है और इसके लिए पत्र भी भेजा गया है।

इंजन पटरी से उतरा, बीच रास्ते में रोकनी पड़ी ट्रेनें

बिलासपुर, 10 सितंबर (हाईवे चैनल)। बिलासपुर के कटनी रूट पर बेलगहना यार्ड की कॉमन लूप लाइन नंबर 4 पर मंगलवार रात करीब 9.30 बजे एक डीजल इंजन के दो पहिए पटरी से उतर गए, जिससे इस मार्ग पर रेल यातायात पूरी तरह अवरुद्ध हो गया. इस घटना के चलते कई प्रमुख ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रोकना पड़ा, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। हादसे के कारण दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस, दुर्ग-छपरा सारनाथ एक्सप्रेस, बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस और दुर्ग-कानपुर एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को भाठापारा, निपनिया, तिल्दा और उसलापुर जैसे स्टेशनों पर रोक दिया गया. कटनी और शहडोल की ओर से आने वाली ट्रेनें भी अलग-अलग स्टेशनों पर खड़ी रहीं. रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए इन स्टेशनों पर हेल्प बूथ स्थापित किए. घटना की सूचना मिलते ही बिलासपुर जोन मुख्यालय से रेलवे इंजीनियरिंग विभाग और राहत दल तत्काल बेलगहना के लिए रवाना हुआ. रेलवे अमले ने देर रात तक काम कर डीजल इंजन को पटरी पर लाने का प्रयास किया. जिसमें करीब 3 घंटे बाद रेलवे कर्मचारियों को सफलता मिली और फिर रेलवे लाईन सामान्य हुई.

10 मिनट के भीतर ट्रायल के लिए खोले गए गंगरेल बांध के सभी 14 गेट

धमतरी, 10 सितम्बर (हाईवे चैनल)। प्रदेश का सबसे बड़ा पंडित रविशंकर जलाशय (गंगरेल) धमतरी जिले में स्थित है। जलाशय की सुरक्षा और तकनीकी दृष्टि से कल सभी 14 गेटों की परीक्षण कार्यवाही की गई। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, गेटों को पाँच मिनट के लिए खोला गया। परीक्षण उपरांत 12 गेट बंद कर दिए गए तथा शेष 2 गेटों से नियंत्रित रूप से पानी रुद्री बैराज की ओर छोड़ा जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रक्रिया जलाशय की आपातकालीन स्थिति में तत्परता सुनिश्चित करने के लिए की जाती है। परीक्षण के दौरान गेट संचालन की समूची तकनीकी जाँच की गई और सभी उपकरणों को सही पाया गया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर इस प्रकार की कार्यवाही आवश्यक है, ताकि बांध की सुरक्षा, जल प्रबंधन और निचले क्षेत्रों में पानी के वितरण की व्यवस्था सुचारू बनी रहे। गौरतलब है कि गंगरेल बांध न केवल सिंचाई और पेयजल की प्रमुख व्यवस्था से जुड़ा है, बल्कि बिजली उत्पादन और मत्स्य पालन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। विभागीय अधिकारियों ने कहा यह नियमित परीक्षण प्रक्रिया थी और जलाशय की स्थिति पूरी तरह सुरक्षित है।

■ **परीक्षण उपरांत 12 गेट बंद, शेष 2 गेटों से नियंत्रित रूप से रुद्री बैराज की ओर छोड़ा जा रहा पानी**

15 करोड़ का बजट मिला है फिर भी सिम्स में मशीनें नहीं आई

रायपुर/बिलासपुर, 10 सितंबर (हाईवे चैनल)। 15 करोड़ की मंजूरी मिलने के बाद भी छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान सिम्स में नई मशीनें नहीं आ सकीं हैं. पिछले कई माह से पुरानी मशीनों से ही मरीजों की जांच कि जा रही है. इस मामले में संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट ने राज्य शासन से जवाब तलब किया है. चीफ जस्टिस ने पूछा कि, 15 करोड़ के बजट के बाद भी नई मशीनें अब तक क्यों नहीं आई. सिम्स में चिकित्सा सुविधाओं को आधुनिक बनाने शासन ने 15 करोड़ रुपए की लागत से मशीनें खरीदने की मंजूरी तो दे दी है, लेकिन मंजूरी को चार माह बीत जाने के बावजूद अब तक एक भी मशीन यहां नहीं पहुंच पाई है. इस स्थिति में डॉक्टरों को पुराने उपकरणों के सहारे ही काम चलाना पड़ रहा है। सिम्स प्रबंधन ने चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने और मरीजों की जांच प्रक्रिया तेज करने के उद्देश्य से शासन को 15 करोड़ रुपए के दो अलग-अलग प्रस्ताव भेजे थे. इनमें एक प्रस्ताव 10 करोड़ का और दूसरा 5 करोड़ रुपए का था. शासन से मंजूरी मिलने के बाद भी अब तक मशीनों की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है. इस बीच जरूरत को देखते हुए सिम्स ने एसईसीएल के सीएसआर मद और अन्य स्त्रोतों से 66 लाख रुपए की लागत से सोनोग्राफी, डायलिसिस समेत कुछ अन्य मशीनें खरीदी हैं, लेकिन यह संख्या जरूरत के मुकाबले बेहद कम है. यहां कार्यरत डॉक्टरों का कहना है कि, नई मशीनें मिलने से कम समय में अधिक मरीजों की जांच संभव होगी और इलाज की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा इस आशय की समाचार रिपोर्ट मंगलवार को प्रकाशित होने के बाद हाईकोर्ट ने इस पर संज्ञान लिया है। मंगलवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बोंडी गुरु की डिवीजन बेंच में इस मामले को संज्ञान में लेकर जनहित याचिका के तौर पर सुनवाई की गई. चीफ जस्टिस ने कहा कि, सिम्स इस अंचल का एक मात्र शासकीय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल है, दूर दूर से मरीज उपचार के लिए आते हैं. जब सरकार ने बजट दे दिया है, तब मशीनें लाने में क्या परेशानी है. पुरानी मशीनों से टेस्ट का परिणाम भी प्रभावित होगा. कोर्ट ने शासन से पूछा कि यहां व्यवस्था में कब सुधार होगा. आप क्या कर रहे हैं, आम मरीजों के इलाज के लिए क्या योजना है. डीबी ने शासन से शपथ पत्र पर जवाब तलब करते हुए इस मामले को मानिटरिंग के लिए तय करते हुए अगली सुनवाई अक्टूबर माह में निर्धारित कर दी है।

हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

डीजे पर नाचते नाबालिग की मौत

रायपुर/बिलासपुर, 10 सितंबर (हाईवे चैनल)। डीजे और साउंड बॉक्स के शोर से आम लोगों को होने वाली परेशानियों को लेकर जनहित याचिका पर मंगलवार को हुई सुनवाई में राज्य शासन ने बताया कि कड़ी कार्रवाई के लिए राज्य के कोलाहल नियंत्रण अधिनियम में संशोधन की जरूरत है. चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने आज सुनवाई करते हुए बलरामपुर जिले में गणेश विसर्जन के दौरान डीजे पर नाचते समय एक नाबालिग की मौत को भी गंभीरता से लिया है। हाईकोर्ट ने इस मामले में शासन से जवाब मांगा है. आज मंगलवार को जनहित याचिका पर हुई सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से कोर्ट को बताया गया कि, कोलाहल अधिनियम में इतने कड़े प्रावधान है ही नहीं. एक या दो बार 500-1000 रुपए पेनाल्टी लगाकर छोड़ दिया जाता है, ना सामान की जब्ती होती है और ना ही कोई कड़े नियम बनाए गए हैं. इसी वजह से इन मामलों में कड़ाई करने के लिए शासन स्तर पर प्रक्रिया की जाएगी. लल्लूराम को मिली जानकारी के मुताबिक कोर्ट ने मामले में सरकार को इसकी कार्रवाई के संबंध में अपना जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मालूम हो कि, कोलाहल मामले में विधि विभाग ने एक रिपोर्ट तैयार की थी. इसमें चर्चा हुई कि 1985 के अधिनियम और 2000 के नियमों के बीच टकराव की स्थिति में किस अधिनियम का पालन किया जाना चाहिए. 1985 के अधिनियम में लाउडस्पीकर के उपयोग पर दंड, 2000 के नियमों की तुलना में बहुत कम है. केंद्रीय कानून, राज्य के कानून पर प्रबल होता है, चूंकि 1985 का अधिनियम एक राज्य अधिनियम है और 2000 के नियम केंद्रीय अधिनियम हैं, इसलिए 2000 एक्ट के नियम प्रबल होंगे. इन नियमों में लाउडस्पीकर के उपयोग के लिए उपयुक्त प्राधिकारी से अनुमति लेने और ध्वनि सीमा निर्धारित करने का प्रावधान है. प्रावधानों में संशोधनः पूर्व में हुई सुनवाई में महाधिवक्ता ने कहा था कि, राज्य द्वारा ध्वनि प्रदूषण नियम, 2000 और कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 की जांच की गई है और यह बताया गया कि, ध्वनि प्रदूषण नियम, 2000 के प्रावधान कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 की तुलना में अधिक कठोर हैं, इसलिए राज्य प्रावधानों में संशोधन करने जा रहा है।

CMYK